द इंफोनिक
एक ई-शासन सूचनापत्र
एनआईसी छत्तीसगढ़

अंक 1 सं. 6

फरवरी 2022

श्रेष्ठ होना कोई कार्य नही बल्कि हमारी आदत है जिन्हें हम बार बार करते है।
– अरस्तू

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र
छत्तीसगढ़ राज्य केंद्र
ए डी - 2 दूसरी मंजिल, कमरा नं. 14,15,16
महानदी भवन , मन्त्रालय,
नवा रायपुर अटलनगर
छत्तीसगढ़ – 492002
https://chhattisgarh.nic.in

समसामयिकी

विधानसभा के ई-उत्तर ऍप्लिकेशन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन (https://vidhansabha.cg.nic.in/euttar)

विधानसभा प्रश्नोत्तर प्रणाली (ई-उत्तर) एप्लीकेशन के लिए छत्तीसगढ़ विधान सभा एवं एन. आई. सी. छत्तीसगढ़ द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2022 को राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन विभागीय अधिकारियों एवं तकनिकी कर्मचारियों के लिए किया गया। भारत वीसी से दिए गए इस प्रशिक्षण में राज्य एवं जिलों से लगभग 128 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए। कार्यशाला की अध्यक्षता श्री अविनाश चंपावत, आईएएस, सचिव, संसदीय कार्य, छत्तीसगढ़ ने की। सर्वप्रथम ई-उत्तर एप्लिकेशन पोर्टल का संक्षिप्त परिचय के बाद, पूरे मॉड्यूल का चरण-दर-चरण वर्कफ़्लो प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात पोर्टल का जीवंत प्रदर्शन दिया गया। ई-उत्तर पोर्टल की मुख्य विशेषताओं के बारे में बिन्दुवार विस्तृत चर्चा की गई एवं संदेह निवारण तथा सुझाव सत्र का भी आयोजन किया गया।

डॉ. अशोक कुमार होता, एस. आई. ओ. के कुशल नेतृत्व में श्री सत्येश शर्मा, तकनीकी निदेशक एवं डीजीएम निकसी, श्री सौरभ दुबे, वैज्ञानिक-सी, श्रीमती ज्योति शर्मा, वैज्ञानिक 'बी' एवं निकसी की डेवलपमेंट टीम ने इस प्रशिक्षण सत्र को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया।

विदाई समारोह

श्री अजित कुमार, डी. आई. ओ. एन. आई. सी. जशपुर

श्री शोम सी अब्राहम, वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-अ

विगत वर्ष 2021 में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों में स्थानीय निर्वाचन संपन्न किये गए। इस निर्वाचन कार्य में सम्बंधित एन. आई. सी. के जिला केंद्रों द्वारा विशिष्ट तकनिकी सहयोग जिला प्रशासन को प्रदान किया गया।

बलौदाबाजार जिले में बलौदाबाजार जनपद के ग्राम पंचायत कोकड़ी,परसाभदेर क,रिसदा एवं ठेलकी में जनपद सदस्य पद के लिए , पलारी जनपद के छड़िया ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए, कसडोल जनपद के ग्राम पंचायत मुरूमडीह में सरपंच पद के लिए, बिलाईगढ़ जनपद के ग्राम पंचायत सलिहाघाट, मल्दी एवं रायकोना में सरपंच पद के लिए , बलौदाबाजार जनपद के ग्राम पंचायत भरसेला (बड़ा), शुक्लाभाठा, भद्रापाली, कुकुरदी एवं डोंगरा में सरपंच पद के लिए, भाटापारा जनपद के कैथी, टोपा, पेन्ड्री एवं खपरी एस में सरपंच पद के लिए ग्रामीण निकाय निर्वाचन का कार्य का सफलता पूर्वक संचालन **जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री सत्यनारायण प्रधान** ने आई टी नोडल अधिकारी के रूप में सेवा प्रदान करके किया। उनके द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त ओनो सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। निर्वाचन के विभिन्न मॉनिटरिंग सम्बंधित रिपोर्ट जिला प्रशासन को प्रदान किये।

दुर्ग जिले में **जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री एल. बी. सिंह** ने नगरीय निर्वाचन नगर निगम भिलाई, नगर निगम रिसाली, नगर निगम भिलाई-चरोदा , नगर पालिका परिषद जामुल एवम नगर पंचायत उप निर्वाचन उतई में कर्मचारियों के मतदान दल एवं मतगणना दल का निर्माण करने हेतु ऑनलाइन वेब एप्लीकेशन (http://cg.nic.in/durg/employeedb) का निर्माण किया जिसकी मदद से निर्वाचन दल एवं प्रशिक्षण सबंधित समस्त कॉल लेटर तैयार किये गए साथ ही मतदान दल का रैंडमाईजेशन का कार्य भी सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

रायपुर जिले में **जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री पी. के. मिश्रा** ने बिरगांव नगर निगम के निर्वाचन में विशेष तकनिकी सहयोग प्रदान किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त ओनो सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण विभिन्न डाटा एंट्री ऑपरेटर, रिटर्निंग अफसर , सहायक रिटर्निंग अफसर एवं निर्वाचन कार्य में कार्यरत अन्य अधिकारी/कर्मचारियों को प्रदान किया इसके साथ ही रैंडमाईजेशन पश्चात् मतदान दल के गठन एवं मतगणना दल के गठन में भी तकनिकी सहयोग प्रदान किया

जिला बीजापुर में **जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री आदित्य सिंह** ने नगर पंचायत भैरमगढ़ एवम नगर पंचायत भोपालपटनम के दौरान निकनेट एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूचना के आदान प्रदान में अपना सहयोग प्रदान किया।

जिला बिलासपुर में बिलासपुर नगर निगम उप निर्वाचन में **जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री अरविन्द यादव एवं अतिरिक्त जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री मनोज सिंह** ने विशेष तकनिकी सहयोग प्रदान किया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त ओनो सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण विभिन्न डाटा एंट्री ऑपरेटर, रिटर्निंग अफसर , सहायक रिटर्निंग अफसर एवं निर्वाचन कार्य में कार्यरत अन्य अधिकारी/कर्मचारियों को प्रदान किया, इसके साथ ही रैंडमाईजेशन पश्चात् मतदान दल के गठन एवं मतगणना दल के गठन में भी तकनिकी सहयोग प्रदान किया गया। इसके अलावा निर्वाचन के दौरान निकनेट एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूचना के आदान प्रदान में सहयोग प्रदान किया।

जिला राजनांदगांव में **जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री संतोष कुमार** ने राजनांदगांव नगर निगम उप निर्वाचन एवं खैरागढ़ नगरीय निकाय निर्वाचन में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त ओनो सॉफ्टवेयर के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया इसके साथ ही उन्होंने निर्वाचन अधिकारीयों को आवश्यक सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण भी प्रदान किया। निर्वाचन कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में कार्यरत विभिन्न दलों को सहयोग प्रदान किया।

जिला दर्शन

कोरबा जिला *(छत्तीसगढ़ राज्य की ऊर्जा नगरी)*

जिला के बारे में परिचय : कोरबा जिला को 25 मई सन 1998 में प्रभावी पूर्ण राजस्व जिले का दर्जा प्राप्त हुआ| जिसका मुख्यालय कोरबा शहर में है, जो कि हसदेव और अहिरन नदी के संगम के किनारे स्थित है। कोरबा जिला बिलासपुर संभाग के अंतर्गत आता है। कोरबा जिला मुख्यालय राजधानी रायपुर से लगभग 200 किलोमीटर दुरी पर स्तिथ है। कोरबा जिला जो की छत्तीसगढ़ की ऊर्जाधानी के नाम से प्रसिद्ध भी है। यहाँ मुख्य रूप से संरक्षित आदिवासी जनजाति कोरवा (पहाडी कोरवा) निवास करते हैं। कोरबा जिला चारों ओर से हरे भरे वनो से लाभान्वित हैं. यहाँ आदिवासियों की एक बड़ी जनसंख्या पायी जाती हैं। यहा के आदिवासी वन क्षेत्र में पर्यावरण के साथ रहना पसंद करते हैं जिसके कारण उन्होंने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक विशेषताओं और पारंपरिक प्रथाओं को बरकरार रखा है। एन आई सी जिला केंद्र, कोरबा सन 1998 से निरंतर जिला प्रशासन को आई टी सशक्त बनाने एवं शासकीय योजनाओं को जिले के सुदूर अन्चल तक पहुचाने मे सहायता प्रदान कर रहा है।

हेमंत कुमार जयसवाल
डी आई. ओ.

कोविड पेन्डेमिक के दौरान आई टी सपोर्ट

विडियो कान्फ्रेंसिंग : कोविड पेन्डेमिक के दौरान कार्यालयीन कार्य एवं बैठकों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना मुख्य चुनौती थी । विडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा ने इस चुनौती को पूरा करने मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की गई। जिले मे पेन्डेमिक के दौरान मुख्य रूप से **माननीय मुख्यमंत्री महोदय** जिले में विभिन्न निर्माण कार्यो का उद्घाटन एवं शीलान्यास, जिला चिकित्सा महाविद्यालय कोरबा का उद्घाटन, धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर का वर्चुअल उद्घाटन वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से अलग-अलग तिथियों मे वर्चुअली किया गया। कोविड काल में प्रत्येक वर्ष जिले में आयोजित होने वाला पाली महोत्सव का सफल शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा वर्चुअल वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से किया गया एवं महोत्सव लाइव प्रसारण लगातार 03 दिवस तक किया गया। **जिला खनिज न्यास (डी0एम0एफ0) वर्ष 2019-20 एवं 2020-21** में विडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यो का अनुमोदन माननीय

मंत्री डॉ0 प्रेमसाय सिंह टेकाम एवं माननीय मंत्री जय सिंह अग्रवाल राजस्व मंत्री जी, सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत एवं सभी विधायक महोदयों की अध्यक्षता में किया गया। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से वर्चुअली किया गया, जिसमें विभिन्न कार्यो की स्वीकृति हेतु निर्णय लिये गये। इसके अतिरिक्त ब्लाक स्तर पर गत वर्ष **1500 से अधिक विडियों कान्फ्रेंस** आयोजित किया गया जिसमें साप्ताहिक समय-सीमा बैठक एवं विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक शामिल है।

सामुदायिक सर्वेक्षण (कम्यूनिटी सर्वे) : कोविड पेन्डेमिक के प्रथम चरण के दौरान कोरबा जिले में कोविड मरीजों के पहचान के लिए कम्यूनिटी सर्वे का कार्य किया गया, जिसकी जानकारी गूगल शीट के माध्यम से एकत्र करके एवं क्वारंटाइन सेंटर मे आइसोलेट किए गए लोगों वृहद डाटा की एन्ट्री करके डेटाबेस तैयार किया गया। कोविड लक्षण वाले मरीजों का कि पहचान करके कोविड टेस्ट कराया गया जिसके आधार पर पाजीटिव केसेस की संख्या को देखते हुए जिले में कंटेनमेंट जोन बनाया गया। गूगल शीट के माध्यम से एकत्रित कोविड मरीजों की जानकारी एवं उनके संपर्क में आए व्यक्तियों की जानकारी (कान्टेक्ट ट्रेसिंग) प्राप्त किया गया, जिससे जिले में प्रतिदिन कोविड संक्रमित व्यक्तियों की जानकारी एवं होम आइशोलेशन, अस्पताल में एडमिट व डिस्चार्ज हुए मरीजों की सही एवं उचित जानकारी प्राप्त की गई। गया।कोविड पेन्डेमिक के दौरान माइग्रेंट लेबर जो कि अन्य राज्य से जिले में आए ऐसे श्रमिकों की जानकारी भी

नागरिक केंद्रित सेवाएं :

जिले कि आधिकारिक वेबसाईट : https://korba.gov.in/ के द्वारा जिले कि मूलभूत जानकारियाँ, प्रशासनिक जानकारियाँ एवं संपर्क सूत्र, जिले के दर्शनीय स्थल, शासकीय योजनाए, सर्कुलर, रोजगार भर्तियाँ, एवं अन्य जानकारियाँ प्राप्त कि जा सकती है।

नेटवर्क सेवाएं : 100 Mbps NKN लिंक एवं 34 Mbps BSNL लिंक के द्वारा जिला एन आई सी राज्य कार्यालय, मंत्रालय नवा रायपुर से 24x7 जुड़ा हुआ है। नेटवर्क सेवाओं का कलेक्टर ऑफिस के सभी कार्यालयों, एस पी कार्यालय, जिला एवं सत्र न्यायधीश, वाणिज्यिक कर कार्यालय, जिला कोषालय एवं सभी तहसील और विकासखंड तक विस्तार किया गया है।

i-RAD: एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस मोबाईल एप (Integrated Road Accident Database) – Safe Road for All जुलाई 2021 से प्रारंभ होने के पश्चात पुलिस विभाग, स्वास्थ्य, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के लगभग 200 अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदाय किया गया और निरंतर आई टी संबंधित सहायता प्रदान कि जा रही है।

डिस्ट्रिक्ट आईटी टीम

सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं धान उपार्जन : एन आई सी द्वारा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को धान उपार्जन एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के ऑन लाइन क्रियान्वयन मे सहायता प्रदान करता है। जिले के कुल 55 उपार्जन केंद्र मे ऑन लाइन धान उपार्जन कि प्रक्रिया संचालित है एवं 476 राशन दुकानों मे टेबलेट/E-POS के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के उपरांत राशन सामग्री का वितरण किया जाता है।

कलेक्टर जन चौपाल : आम नागरिकों के शिकायत के लिए प्रत्येक मंगलवार को जन चौपाल आयोजित किया जाता है। शिकायतों कि ऑन लाइन एंट्री एवं उनके निराकरण के पश्चात अनलाइन कार्यवाही दर्ज करने हेतु संबंधित विभागों को सहायता प्रदान करना एवं समीक्षा हेतु रिपोर्ट बनाने का कार्य एन आई सी के द्वारा किया जाता है।

भुईयां – भु-नक्शा : भू-अभिलेख कंप्यूटरीकरण के दो अंग भुइयाँ व भू-नक्शा हैं | जहाँ भुइयाँ खसरा व खाता संबंधित जानकारी का संकलन है वहीँ भू-नक्शा खसरा नक़्शे से संबंधित प्रबंधन के लिए साधन है। राजस्व विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण प्रदाय करना एवं पटवारियों के कंप्युटर/लैपटॉप मे डिजिटल हस्ताक्षर, रजिस्टर एवं कॉन्फ़िगर करने का कार्य एन आई सी के द्वारा किया जाता है। जिले के सभी तहसील एन आई सी के इंटरनेट सेवाओं से जुड़े हुए है।

सतरेंगा जलाशय (पर्यटन स्थल)

अन्य कार्य : जिले में अध्यनरत NEET/JEE के परीक्षार्थियों की जानकारी गूगल शीट के माध्यम से एकत्र करवाया जाकर परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक व्यवस्थित रूप से पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्टिंग कार्य किया गया। कोविड-19 के समय स्वामी आत्मानंद स्कूल में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए समस्त आवेदकों का भर्ती हेतु फार्म को गूगल शीट के माध्यम से आमंत्रित किया गया जिससे कोविड प्रोटोकाल का पालन हुआ।